ACTIVITY-1

प्रतिवेदन

साइंस कॉलेज दुर्ग में जनपद संस्कृत सम्मेलन का आयोजन

साइंस कॉलेज दुर्ग में संस्कृत विभाग के द्वारा जिला स्तरीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत प्रेमियों एवं भक्तों ने इस सम्मेलन में भाग लेते हुए बहुत सी विधा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम मुख्य तिथि के रूप में सेवा निवृत्त प्राध्यापक मुकुंद हमबर्डे का आगमन हुआ था। उन्होंने संस्कृत के वैज्ञानिक पक्षों को श्रोताओं के सम्मुख रखा। उन्होंने बताया कि संस्कृत विश्व की सभी भाषाओं की जननी है संस्कृत में न केवल सामाजिक चेतना तथा नैतिक मूल्यों पर चर्चा की गई है अपितु दार्शनिक और वैज्ञानिक आविष्कार के प्रमाण भी संस्कृत के ग्रंथों में मिलते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित संस्कृत के प्राध्यापक प्रवीण कुमार झाड़ी ने संस्कृत को मूल्यों की भाषा बताया। उन्होंने बताया कि संस्कृत हमें अपनी संस्कृति से जोड़ती है। एक स्वस्थ वातावरण बिना संस्कृत के निर्मित होना संभव नहीं है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में हेमंत साहू संस्कृत भारती के प्रदेश संगठन मंत्री उपस्थित थे। उन्होंने संस्कृत को बोल चाल की भाषा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने संस्कृत भाषा को बहुत सरल भाषा बताया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने इस अवसर पर बहुत से संस्कृत गीत , नृत्य एवं नाटकों का प्रदर्शन किया। जिसकी सभी अतिथियों ने प्रशंसा की।

कार्यकम में साइंस कॉलेज दुर्ग के वनस्पति शास्त्र विभाग से डॉ सतीश कुमार सेन, श्री मोतीराम साहू, भारती आयुर्वेदिक कॉलेज से श्रीमती रेशम जोशी उपस्थित थे। विभिन्न विद्यालयों से बहुत से संस्कृत शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष जनेन्द्र कुमार दीवान ने किया। अंत में शांति पाठ पूर्वक कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

संस्कृत में विज्ञान
अर्थात्
प्राचीन भारत में
विज्ञान
एवं
प्रौद्योगिकी
की समृद्ध परम्परा
DURG (C.G.)
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

संस्कृत में विज्ञान
अर्थात्
प्राचीन भारत में
विज्ञान
एवं
प्रौद्योगिकी
की समृद्ध परम्परा
AUTONOMOUS COLLEGE
DURG (C.G.)
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WX+H4C, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196394°
Long 81.297909°
02/10/23 11:38 AM GMT +05:30
Google

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
Shot on Y11
Vivo AI camera
2023.10.02 11:37

ACTIVITY-2

प्रतिवेदन

संस्कृत विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना और हिंदी विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत रसमडा में ज्ञान का आदान-प्रदान

शासकीय विश्वनाथ यादव तमस्कर सनातन उत्तर महाविद्यालय दुर्ग के संस्कृत विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं हिंदी विभाग द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल रसमदा में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत बहुत से कार्यक्रम आयोजित किए गए विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी अन्य संस्थाओं में जाकर ज्ञान का आदान-प्रदान करते हैं।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के हिंदी एवं संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राओं ने अपने विषय के बारे में विद्यालय के छात्र-छात्राओं से चर्चा की संस्कृत के विद्यार्थियों ने श्लोक पाठ एवं संस्कृति के मंत्र सुन कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

संस्कृत विभाग के विभाग अध्यक्ष जनेंद्र कुमार दीवान ने संस्कृत के महत्व एवं वर्तमान में रोजगार की संभावना विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराणा ने अपने वक्तव्य में साहित्य पढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य डॉ एम एल जंघेल उपस्थित थे। साइंस कॉलेज दुर्ग से हिंदी विभाग से डॉ बलजीत कौर , ओम कुमारी देवांगन ,शारदा सिंह ,डॉ लता गोस्वामी उपस्थित थे।

हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने शिक्षकों की प्रेरणा से बहुत से लोक नृत्य एवं गीतों का मनमोहन प्रदर्शन किया । साइंस कॉलेज दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति तथा नारी शिक्षा पर नुक्कड़ नाटक प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रजनीश उमरे एवं जयपाल सिंह गावरे ने किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

विस्तार गतिविधि संकलित ज्ञान का आदान-प्रदान

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी एवं संस्कृत विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई द्वारा विस्तार गतिविधि के तहत औद्योगिक ग्राम रसमड़ा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संस्कृति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया। विस्तार गतिविधि से तात्पर्य संकलित ज्ञान का आदान-प्रदान के माध्यम से विस्तार करना है, जिसके तहत महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी गांव के विद्यालयों में पहुंचकर आयोजन के उद्देश्य को चरितार्थ करते हैं।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रसमड़ा विद्यालय के विद्यार्थियों को कैरियर गाइडेंस, मोबाइल के दुष्प्रभाव तथा 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अध्ययन के विविध क्षेत्रों की जानकारी दी। स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। देश-भक्ति सामाजिक-दायित्व तथा मतदाता-जागरूकता पर महाविद्यालय के मृदुल निर्मल, मो.सारिक, हरीश साहू एवं मो. आदिल ने भावपूर्ण काव्य पाठ किया। महाविद्यालय की छात्राओं सुमन एवं रंजना ने स्त्री-जनित स्वास्थ्य समस्याओं पर विद्यालय की छात्राओं को जागरूक किया। अपने शिक्षकों की प्रेरणा से रसमड़ा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लोकगीत, लोक नृत्य तथा शास्त्रीय नृत्य से विद्यालय प्रांगण में उपस्थित दर्शकों एवं विद्यार्थियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने हिन्दी के महत्व तथा हिन्दी विषयक रोजगार पर विस्तार से जानकारी दी। संस्कृत के विभागाध्यक्ष जनेन्द्र दीवान ने संस्कृत की प्राचीनता तथा प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत से शिक्षित व्यक्ति के लिए कभी भी रोजगार की समस्या नहीं होती, संस्कृत रोजगार का द्वार है। रसमड़ा विद्यालय के प्राचार्य एम.एल. चंदेल ने विस्तार गतिविधि के लिए रसमड़ा विद्यालय के चयन के लिए महाविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में रसमड़ा विद्यालय के व्याख्याता एन. जोशी, आर. दहरे, बी. बंजारे, एम.मांडवी, एस. हुमने, व्ही.वर्मा, व्ही.एल. नोरके, एन. जोशी तथा महाविद्यालय के डॉ. बलजीत कौर, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ. लता गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय एवं रसमड़ा विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे। जे.एस गावरे एवं डॉ. रजनीश उमरे ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। एन.व्ही.एस. नलिन ने आभार व्यक्त किया।

00 दुर्ग। मात्स्यिकी
अनुसार दूर-दराज
पॉलीटेक्निक कॉलेज
उनके निवास हेतु ध
लिए किराए पर लिय
शासकीय नियमानुसा

नवभार
www.navabharat.o
आवश्यक
ग्लोबल इंडिया प्राइ
कंपनी में 100 परसेंट
तत्काल परमानेंट
लड़कियों की आवश्य
कार्यानुसार-730
+11000+13500
लोगों को रहना-खान
फ्री, मार्कशीट की
2+फोटो बायोडाटा
संपर्क- भिलाई
ओवरब्रिज के
मेडिकल के बाजू में (
91097-99525.(
जेट-गो कंपन
डिपार्टमेंट) हेतु
(पक्की परमानेंट

“बाल देवो भवः”
हिंदी विभाग
संस्कृत विभाग एवं

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
संस्कृत विभाग एवं
राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई
विस्तार गतिविधि

हिंदी विभाग
संस्कृत वि
राष्ट्रीय सेवा

देवो भवः
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातको
संस्कृत वि
राष्ट्रीय सेवा
विस्तार

ACTIVITY-3

प्रतिवेदन

साइंस कॉलेज दुर्ग में लोक कला एवं नाट्य पर का व्याख्यान का आयोजन

संस्कृत विभाग एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में साइंस कॉलेज दुर्ग में लोक कला एवं नाट्य पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के रंगमंच कलाकार तथा छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकारों ने शिरकत की।

छत्तीसगढ़ी फिल्म के जाने-माने कलाकार श्री हेमलाल कौशल लोक गायिका एवं अभिनेत्री सुश्री मोना सेन तथा छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता मन कुरैशी साइंस कॉलेज दुर्ग में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम ए सिद्दीकी ने की।

कार्यक्रम में कलाकारों ने अपने जीवन के अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा किया । श्री हेमलाल कौशल ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए बताया की निरंतर मेहनत आपकी किस्मत बदल सकती है ।इसलिए बिना देरी किए निरंतर मेहनत करना आपका स्वभाव होना चाहिए। इसी क्रम में सुश्री मोना सेन ने अपने उपलब्धि पर बातें की। अपने संघर्ष को बताते हुए उन्होंने बोला कि यह जीवन का एक हिस्सा है कि आप निरंतर मेहनत करो। लोग आलोचना करते हैं तो करने दीजिए। युवा अभिनेता मन कुरैशी ने विद्यार्थियों को अपनी कला को निखारने के लिए मेहनत करने के लिए कहा। अपने लोकप्रिय कलाकारों को अपने बीच पाकर विद्यार्थी बहुत प्रसन्न थे।

विद्यार्थियों ने अपने चाहते कलाकारों से सवाल भी किया ,जिनका अतिथियों ने सहजता से उत्तर दिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अभिनेश सुराणा उपस्थित थे। उन्होंने अतिथियों के संघर्षों को सराहते हुए मंजिल की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा लेने की बात की।

संस्कृत विभाग के प्राध्यापक जनेंद्र कुमार दीवान ने स्वागत भाषण दिया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर बलजीत कौर ने किया। कार्यक्रम का संचालन रजनीश उमरे ने किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
आयोजक - हिंदी एवं संस्कृत विभाग
दिनाँक: 18.01.2024
सुश्री मोना सेन

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
आयोजक - हिंदी एवं संस्कृत विभाग
दिनाँक: 18.01.2024
सुश्री मोना सेन

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
आयोजक - हिंदी एवं संस्कृत विभाग
दिनाँक: 18.01.2024
सुश्री मोना सेन

ACTIVITY-4

प्रतिवेदन

संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 27/01/2024 को भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम संस्कृत के छात्र-छात्राओं ने संस्कृत में सरस्वती वंदना का गायन किया अतिथियों ने माता सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन किया। तत्पश्चात् छात्र छात्राओं ने स्वागतगीत प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम ए सिद्दीकी ने इस अवसर पर संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल प्राचीन भाषा ही नहीं है अपितु वैज्ञानिक भाषा भी है । हमें इसे सीखना चाहिए। वक्ता के रूप में आचार्य धनंजय शास्त्री, स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारतीय ऋषि महर्षि प्राचीन काल से ही ज्ञान के प्रति बड़े सजग रहे हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं छूटा जिस पर भारतीय मनीषियों ने चिंतन न किया हो। द्वितीय वक्ता :- डॉ बहुरन सिंह पटेल (सहायक प्राध्यापक)विभाग अध्यक्ष,व्याकरण शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर ने कहा कि भारत वर्ष उन्नति के सोपान को प्राप्त तभी प्राप्त करेगा जब भारतीय जीवन मूल्यों के साथ आगे बढ़े।

आज का विज्ञान केवल आज का सोचता है जबकि भारतीयचिंतन परंपरा स्थाई विकास को महत्व देता है। जिससे प्रकृति पर्यावरण सुरक्षित रहे।

कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - भारतीय ज्ञान परंपरा
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
दिनाँक: 27.01.2024
आयोजक - संस्कृत विभाग
वक्तागण
आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदा:
स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली
डॉ. बहुरन सिंह पटेल
सहायक प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष व्याकरण
शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57WW+GVH, दीपक नगर, मालवीय नगर, भिलाई, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196419°
Long 81.296796°
27/01/24 12:36 PM GMT +05:30
Google

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा.
व्याख्यान - भारतीय ज्ञान परंपरा
(पीएम उषा योजनान्तर्गत) दिनाँक: 27.01.2024
आयोजक - संस्कृत विभाग
वक्तागण
आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदा:
स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली
डॉ. बहुरन सिंह पटेल
सहायक प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष व्याकरण
शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर

ACTIVITY-5

प्रतिवेदन

संस्कृत के विद्यार्थियों ने महर्षि दयानंद संस्कृत महाविद्यालय कोसरंगी महासमुंद में किया ज्ञान का आदान-प्रदान

साइंस कॉलेज दुर्ग के संस्कृत के विद्यार्थियों ने महासमुंद जिले में स्थित महर्षि दयानंद संस्कृत महाविद्यालय का भ्रमण किया तथा ज्ञान का आदान-प्रदान किया।

विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .एम ए सिद्दीकी ने हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों को रवाना किया। इस विस्तार गतिविधि कार्यक्रम में टीम मैनेजर के रूप में संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रो.जनेंद्र कुमार दीवान एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.मोती राम साहू तथा राजनीति विज्ञान विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ.राखी भारती के सहयोग से यह शैक्षणिक गतिविधि की बहुत अच्छी यात्रा रही । संस्कृत के छात्रों ने महर्षि दयानंद संस्कृत महाविद्यालय कोसरंगी महासमुंद में मंत्र पाठ, श्लोक पाठ एवं सूत्र पाठ जैसी संस्कृत की विधाओं का ज्ञान प्राप्त किया।

संस्था के वार्षिक समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। जिसमें पोखराज , क्षमा देवांगन की टीम के कर्मा नृत्य एवं सत एक मिरचन की टीम के पंथी नृत्य ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर टीम मैनेजर एनएसएस अधिकारी प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान, रेडक्रॉस सोसायटी प्रभारी प्रो. मोतीराम साहू तथा डॉ राखी भारती का साल श्री फल तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने सभी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए समय प्रबंधन को जरूरी बताया।

प्रो मोतीराम साहू ने कहा कि पहले आप अपना सही लक्ष्य निर्धारित कीजिए फिर आप योजना बद्ध तरीके से जीवन में आगे बढ़ते जाएंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य आचार्य मुकेश कुमार शास्त्री ने उनका संस्कृत साहित्य के विषय में मार्गदर्शन किया डॉ.अजय कुमार आर्य ने अपने उद्बोधन से प्रभावित किया।उन्होंने विद्यार्थियों को अपने प्रेरणादाई वचनों से प्रेरित किया। संस्कृत एवं एनएसएस के छात्रों ने लोक नृत्य प्रस्तुत किया तथा संस्था के विद्यार्थियों ने लघु संस्कृत नाटक से सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक गण उपस्थित थे जिसमें आचार्य सुरेश कुमार शास्त्री ,आचार्य मनुदेव कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्कृत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने सेवा का कार्य भी किया जिसमें उन्होंने संस्था के वृद्ध आश्रम में रहकर संस्था की सफाई की तथा उनसे बहुत कुछ सीखा।

सभी ने स्वच्छता कार्यक्रम में अपना सहयोग प्रदान किया तथा वहां आए हुए अतिथियों के लिए व्यवस्था में भी सहयोग किया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने खल्लारी माता मंदिर का परिचय पाया,जिसका महाभारत कालीन भीमपांव तथा नौका विराजमान है । वहां पर दर्शन किया तत्पश्चात चंडी मंदिर का दर्शन किया जिसमें विद्यार्थियों ने वहां के क्षेत्रीय सांस्कृतिक इतिहास को समझा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सत एक, रितिक ,पोखराज तथा सतीश चंद्राकर ने इस कार्यक्रम में अपने दल का नेतृत्व किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

महर्षि दयानन्द संस्कृत कॉलेज

आर्षज्योति गुरुकुल आश्रम कोसरंगी
वार्षिक महोत्सव
जयन्ती समारोह
कुण्डीय राष्ट्रभृत

ACTIVITY-6

प्रतिवेदन

संस्कृत विभाग द्वारा 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन

साइंस कॉलेज दुर्ग के संस्कृत विभाग द्वारा 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें संस्कृत के प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को संस्कृत में संभाषण करने की जानकारी दी गई । महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संस्कृत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत के प्रारंभिक चरण में अपना परिचय संस्कृत में देना सामान्य व्याकरण तथा सरल वाक्य का प्रशिक्षण दिया गया ,जिससे विद्यार्थी बहुत आसानी से संस्कृत में बातचीत करना आरंभ कर सकते हैं इस कार्यक्रम में संस्कृत के प्रशिक्षक श्री रंजीत शास्त्री जी ने सरलता से प्रशिक्षण आर्थियों को संस्कृत में संभाषण करना सिखाए ।कार्यक्रम में विविध प्रकार के आयोजन भी किए गए।

जिसमें विद्यार्थियों ने श्लोक पाठ तथा गीतों का गायन किया।

इस 10 दिवसीय कार्यक्रम में बीच-बीच में संस्कृत के जाने-माने विद्वानों का आगमन हुआ जिसमें डॉ बहुरन सिंह पटेल संस्कृत महाविद्यालय रायपुर ने विद्यार्थियों को संस्कृत के बारे में जानकारी दी ।डॉक्टर महेश कुमार अलेंद्र वैशाली नगर कॉलेज भिलाई ने अपने उद्बोधन में संस्कृत का महत्व बताया ।

समापन में डॉ महेश चंद्र शर्मा ने अपनी उपस्थिति देखकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया । कार्यक्रम के संयोजक विभाग अध्यक्ष संस्कृत जनेंद्र कुमार दीवान ने सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए प्रशिक्षक रंजीत शास्त्री का आभार व्यक्त किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

संस्कृत संभाषण शिविर में सभी वर्ग के लोग सीख रहे संस्कृत में बोलना

साइंस कॉलेज में सोमवार को शिविर का उद्घाटन, संस्कृत का महत्त्व बताया

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

प्रभारी प्राचार्य ने संस्कृत शिविर का उद्घाटन किया, उपस्थित अतिथि।

साइंस कॉलेज में 22 मई से संस्कृत संभाषण शिविर लगाया गया है। 31 मई तक चलने वाले शिविर में सभी वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं। उन्हें संस्कृत का महत्व के साथ संस्कृत में बोलने और लिखने की कला सिखाई जा रही है। शिविर का उद्घाटन करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि संस्कृत सबसे प्राचीन तथा वैज्ञानिक भाषा है। हम सबको गर्व होना चाहिए कि विश्व की सबसे प्राचीन पुस्तक ऋग्वेद है। हमें अपनी इस विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए संस्कृत का अध्ययन करना होगा। उसमें उपलब्ध ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना होगा।

विषय विशेषज्ञ संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. बहुरन सिंह पटेल ने कहा कि संस्कृत न केवल योग एवं आयुर्वेद की भाषा है, अपितु संस्कृत में रसायन शास्त्र, खगोल विद्या, भूगोल विद्या, नक्षत्र विद्या, भौतिक शास्त्र, वनस्पति शास्त्र तथा ऐसी अनेक विद्याएं शामिल हैं। हमें उन विद्याओं को आधुनिक शिक्षा के साथ उपलब्ध कराना है। आज बीएएमएस के विद्यार्थी चरक संहिता, सुश्रुत संहिता के कुछ अंश पढ़ते हैं, परंतु लोगों को यह नहीं पता यह संस्कृत साहित्य के ही महत्वपूर्ण अंश हैं। वैशाली नगर के प्रो. महेश कुमार अलेंद्र ने विद्यार्थियों को संस्कृत का महत्व बताया। शिविर के मुख्य प्रशिक्षक आचार्य रणजीत शास्त्री ने संस्कृत के विशाल एवं समृद्ध साहित्य परंपरा का उल्लेख किया। उसकी वैयाकरणिक वैज्ञानिकता की जानकारी दी। इससे पहले महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इसमें ईश्वरी देवांगन, संध्या बघेल, खिलुदास, मोरध्वज, सतेक, प्रतिमा, रूपाली पटेल आदि का सहयोग है।